- मणिपुर विश्वविद्यालय में कालेज व विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए 4 फरवरी 2013 को यूजीसी प्रायोजित नवीकरण पाठ्यक्रम के तहत जैव विविधता संरक्षण : पर्यावरण हितैषी परिदृश्य व्याख्यान दिया।

डॉ. टी गोस्वामी, पीएस

- सीएसआईआर–निस्ट में 6व 7 नवंबर 2012 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में कायर तकनीकों को लोकप्रिय करने से संबंधित सेमिनार में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में कायर आधारित उद्योगों की संभावना पर व्याख्यान दिया।

श्री संजय देउरी, एसएस

- ज्ञानज्योति योजना 2012 के तहत माधवदेव सेमिनारी हाई स्कूल, अलेंगी, तिताबर, जोरहाट (असम) में 22 नवंबर 2012 को आयोजित युवा महोत्सव में अतिथि वक्ता के तौर पर 'नये भारत के निर्माण के लिए शिक्षा, विज्ञान व तकनीक की जरूरत' व्याख्यान प्रदान किया।

डॉ. दिपुल कलिता, एससी

- 11 व 12 मई, 2012 के दौरान पांडू कॉलेज, गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में 'यूज ऑफ प्लांट सेकंडरी मेटाबोलिट्स विथ रेफरेंस टू बायोडीजल' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- सीएसआईआर–निस्ट में 6व 7 नवंबर 2012 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में कायर तकनीकों को लोकप्रिय करने से संबंधित सेमिनार में पूर्वोत्तर क्षेत्र में कायर आधारित उद्योगों की संभावना पर व्याख्यान दिया।
- एएयू, जोरहाट में 4 से 6दिसंबर, 2012 के दौरान कृषि कचरे से गुणवत्ता संपन्न उत्पादों को विकसित करने के कृषि आविष्कारक कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यशाला में 'जैव संसाधनों से हरित कंपोजिट सामग्री' शीर्षक व्याख्यान प्रदान किया।
- नामबोर अतिथि गृह, गोलाघाट में 30 मार्च 2013 को बांस व बेंत कला का व्यापक विकास– गुणवत्ता प्रबंधन और उन्नत तकनीक को अपनाने के तहत आयोजित सेमिनार सह कार्यशाला में 'बेंत व बांस कला के गुणवत्ता सुधार के लिए शोध एवं विकास' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. ए एम दास, एससी

- इंस्टीट्यूट आफ केमिकल टेक्नालाजी, मुंबई के पालीमर व सरफेस इंजीनियरिंग विभाग में 28जनवरी, 2013 को आयोजित कार्यक्रम में प्राकृतिक स्रोत से गुणवत्ता संपन्न उत्पाद : बायोडिग्रेडेबल फाइबर कंपोजिट्स और अन्य से शीर्षक व्याख्यान दिया।

डॉ. मानस रंजन दास, एससी

- शिवसागर कालेज, जयसागर में 12 से 14 अक्तूबर 2012 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार द केटेलिस्ट फार नान–कंवेशनल एनर्जी सोर्स और एनर्जी, सस्टेनेबिलिटी एंड डेवलपमेंट कार्यशाला में 'सिंथेसिस एंड केरेक्टेराइजेशन आफ मेटल नेनोपार्टिकल–ग्राफेने कंपोजिट्स' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. दीपक बसुमतारी, एससी

- ज्ञानज्योति योजना 2012 के तहत माधवदेव सेमिनारी हाई स्कूल, अलेंगी, तिताबर, जोरहाट (असम) में 22 नवंबर 2012 को आयोजित युवा महोत्सव में अतिथि वक्ता के तौर पर 'जल संरक्षण' पर व्याख्यान प्रदान किया।

श्री ईडजा एफ आसावो, सीएसआईआर–टीडब्लुए एस फैलो

- गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में 1 से 4 नवंबर, 2012 के दौरान आयोजित रसायन शिक्षकों के राष्ट्रीय सम्मेलन में रसायन शिक्षा और शोध शीर्षक राष्ट्रीय सेमिनार में ईडजा एफ आसावो और शशि डी बरूवा के 'फोटोपालीमेरिजेशन आफ रिसिनोनड्रोन ह्यूडेलोटी (आरएच) आयल : काइनेटिक्स एंड थर्मल प्रोपर्टीज' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

श्री अजय कुमार, प्रभारी, राजभाषा

- डिमापुर, नगालैंड में 7 व 8अप्रैल 2012 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय राष्ट्रभाषा सम्मेलन में 'पूर्वोत्तर में राष्ट्रभाषा की संभावनाएं और समस्याएं' शीर्षक व्याख्यान प्रदान किया।
- जोरहाट जिले के हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए 1 जून 2012 को बाहोना हिंदी महाविद्यालय, जोरहाट में आयोजित तथा असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा प्रायोजित हिंदी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर व्याख्यान प्रदान किया।
- भारतीय स्टेट बैंक शिक्षण केंद्र, जोरहाट में 27 व 28जून को आयोजित कार्यक्रम में 'आधिकारिक राजभाषा कानून' और 'हिंदी पत्र व टिप्पण लेखन' व्याख्यान प्रदान किया।
- भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अधीनस्थ रेन फारेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोरहाट में 11 सितंबर 2012 को आजोजित हिंदी कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर 'दैनंदिन कार्य में हिंदी पत्राचार' विषय पर व्याख्यान प्रदान किया।

- भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अधीन क्षेत्रीय मूंगापालन शोध केंद्र, रोरैया के अंतर्गत केंद्रीय सिल्क बोर्ड में 15 सितंबर 2012 को आयोजित हिंदी दिवस/पखवाड़े में मुख्य अतिथि के तौर पर 'कार्यालय में राजभाषा का क्रियान्वयन' व्याख्यान प्रदान किया।
- सेंट्रल बैंक आफ इंडिया में हिंदी पखवाड़े को मनाये जाने के मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर 16सितंबर 2012 को व्याख्यान प्रदान किया।
- केंद्रीय विद्यालय, निस्ट-जोरहाट में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों के हिंदी कविता आवृति के मूल्यांकन के लिए 27 सितंबर को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किये गये।
- केंद्रीय विद्यालय, वायु सेना केंद्र, जोरहाट में 29 सितंबर 2012 को हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर व्याख्यान प्रदान किया तथा विद्यार्थियों की हिंदी कविता आवृति का मूल्यांकन किया।

राजभाषा हिंदी गतिविधियां

हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

राजभाषा हिंदी के साथ ही नियमावलियों की जानकारी प्रदान करने और दैनंदिन आधिकारिक कार्य हिंदी में अधिक से अधिक करने के उद्देश्य से राजभाषा विभाग ने वैज्ञानिकों/तकनीकी और प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार हिंदी पखवाड़ा कार्यशालाओं का आयोजन किया। ये कार्यशालाएं दो सत्रों में आयोजित की गयीं और हरेक सत्र में 'मेज कार्यशाला' के तहत व्याख्यान व वास्तविक प्रशिक्षण दिया गया। वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यशालाएं आयोजित की गयीं।

- संस्थान में भर्ती हुए सभी नये वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारियों ने 30 मार्च से 2 अप्रैल, 2012 के दौरान आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में हिस्सा लिया। यह कार्यशाला उन लोगों के लिए विशेष रूप से आयोजित की गयी थी, जो प्रबोध/प्रवीण/प्रज्ञा की निर्धारित हिंदी परीक्षा में बैठने वाले थे। नये भर्ती हुए केंद्र सरकार के कर्मचारियों/अधिकारियों के लिए उपरोक्त हिंदी पाठ्यक्रमों को पास करना बाध्यतामूलक है। इसीलिए परीक्षा की तैयारी के तहत पाठ्यक्रम पर सभी सत्रों में ध्यान केंद्रित किया गया। ये सत्र राजभाषा के प्रभारी श्री अजय कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किये गये।
- इस्टाबलिशमेंट एंड स्टोर्स व परचेज सेक्शन के लिए 12 व 13 जून 2012 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पहले दिन राजभाषा हिंदी से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। दूसरे दिन 'कंप्यूटर में हिंदी साफ्टवेयर का प्रयोग तथा गूगल हिंदी के इस्तेमाल' के बारे में बताया गया। सभी प्रतिभागियों ने कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य किया तथा इंटरनेट के जरिए गूगल पर हिंदी में अनुवाद पर अभ्यास किया।
- संस्थान में भर्ती हुए सभी नये तकनीकी कर्मचारियों ने 4 व 5 मार्च 2013 को आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लिया। इस कार्यशाला का आयोजन हिंदी पाठ्यक्रम प्रबोध/प्रवीण/प्रज्ञा की परीक्षा में बैठने वालों के लिए आयोजित किया गया था। नये भर्ती हुए केंद्र सरकार के कर्मचारियों/अधिकारियों के लिए इन पाठ्यक्रमों को पास करना बाध्यतामूलक है। रिसोर्स संकाय के तौर पर रेन फारेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोरहाट के श्री शंकर शर्मा उपस्थित थे।

हिंदी शिक्षण योजना

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नयी दिल्ली (भारत सरकार के गृह मामलों के मंत्रालय के अधीनस्थ) के दिशानिर्देश व नियंत्रण में निस्ट, जोरहाट में एक आंशिक हिंदी शिक्षण योजना केंद्र चल रहा है। यह केंद्र सभी केंद्र सरकार के कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, उपक्रमों, स्वायत्त इकाइयों आदि के आग्रह के आधार पर बाध्यतामूलक हिंदी प्रशिक्षण देता हैं। इसमें दाखिला नियमित और निजी आधार पर किया जाता है और दाखिला योग्यता के आधार पर किया जाता है। कक्षाएं नियमित प्रशिक्षणार्थियों के लिए आयोजित की जाती है। हिंदी शिक्षण योजना, नयी दिल्ली के उप निदेशक (परीक्षा) के दिशानिर्देशों के अनुसार हरेक वर्ष मई और नवंबर माह में परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। इस अवधि की परीक्षाएं हैं :-

- जनवरी 2012 के पाठ्यक्रम सत्र के अंतर्गत इस क्षेत्र के विभिन्न कार्योलयों जैसे यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, रेन फारेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केंद्रीय विद्यालय और ओएनजीसी के प्रशिक्षणार्थी परीक्षा में बैठे। मई 2012 में आयोजित परीक्षा के नतीजे इस प्रकार हैं : प्रबोध : 21 (पास हुए : 21), प्रवीण : 30 (पास हुए : 26), प्रज्ञा : 27 (पास हुए : 27)
- जुलाई, 2012 के पाठ्यक्रम सत्र के अंतर्गत इस क्षेत्र के विभिन्न कार्योलयों जैसे यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, रेन फारेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, बीएसएनएल, इलाहाबाद बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रशिक्षणार्थी परीक्षा में बैठे। नवंबर 2012 में आयोजित परीक्षा के नतीजे इस प्रकार हैं : प्रबोध : 11 (पास हुए : 11), प्रवीण : 16(पास हुए : 26), प्रज्ञा : 24 (पास हुए : 24)

हिंदी में वैज्ञानिक सेमिनार

निस्ट में एक वैज्ञानिक सेमिनार का आयोजन 6दिसंबर, 2012 को किया गया। भारत सरकार के विज्ञान व तकनीकी और भूगर्भ विज्ञान मंत्रालय के हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. डीडी ओझा सेमिनार में मुख्य वक्ता थे। उन्होंने 'रसायन और जीवन' विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने हमारे दैनंदिन जीवन में रसायन विज्ञान की भूमिका के बारे में बताया। सेमिनार में वैज्ञानिक और शोधकर्ता शामिल एवं लाभान्वित हुए। निस्ट के प्रभारी निदेशक डॉ. आरसी बरूवा ने हिंदी में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक व्याख्यान पर संतोष जताया।

निस्ट, जोरहाट के प्रभारी निदेशक डॉ. आरसी बरूवा (मध्य में बायीं तरफ) और डॉ. डीडी ओझा (मध्य में दायीं तरफ)

हिंदी पखवाड़े का आयोजन

विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़े के दौरान वैज्ञानिकों, तकनीशियनों और प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों के बीच राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन को बढ़ावा देने तथा संस्थान में राजभाषा नियमों के अनुपालन के साथ ही हिंदी के विकास को लेकर विभिन्न प्रकार की हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें शामिल थे :-

10.09.2012 : उद्घाटन समारोह हुआ। निस्ट की सभी इकाईयों/शाखाओं के राजभाषा प्रतिनिधियों के लिए 10 सितंबर 2012 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। दोनों सत्रों में आधिकारिक भाषा नीति और राजभाषा हिंदी के वार्षिक कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया गया।

11.09.2012 : संस्थान के कर्मचारी सदस्यों के लिए हिंदी श्रुतलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय विद्यालय, निस्ट, जोरहाट के पीजीटी (हिंदी) श्री मृत्युंजय कुमार मिश्र अतिथि जज के तौर पर उपस्थित थे।

12.09.2012 : 'पूर्वोत्तर भारत के आर्थिक विकास में निस्ट, जोरहाट का योगदान' मुद्दे पर हिंदी कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

13.09.2012 : हिंदी के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए क्वीज का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय विद्यालय, निस्ट, जोरहाट के पीजीटी (फिजिक्स) श्री विजय कुमार पाठक आमंत्रित अतिथि थे। हरेक वर्ष की तरह कर्मचारी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपना हिंदी का ज्ञान बढ़ाया।

14.09.2012 : सप्ताह का समापन 14 सितंबर, 2012 को हिंदी दिवस समारोह से हुआ। समारोह की अध्यक्षता निस्ट के निदेशक डॉ. पीजी राव ने की। उन्होंने कर्मचारियों के आधिकारिक भाषा के तौर पर हिंदी को बढ़ावा देने का आग्रह किया तथा दैनंदिन आधिकारिक कार्य हिंदी में करने को कहा, क्योंकि लगभग सभी कर्मचारी निर्धारित पाठ्यक्रमों के तह प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। मुख्य वैज्ञानिक तथा सीएसआईआर-निस्ट के आधिकारिक भाषा क्रियान्वयन कमेटी के उप चेयरमैन डॉ. जेसीएस कटकी ने संस्थान में हिंदी की प्रगति के आंकड़े प्रस्तुत किये। उन्होंने कार्यालय में हिंदी को बढ़ावा देने का आग्रह किया, क्योंकि यह हमारी संवैधानिक जिम्मेवारी है। पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद प्रबोध/प्रवीण/प्रज्ञा की परीक्षा पास करने वाले कर्मचारी सदस्यों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

हिंदी सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम के दौरान सीएसआईआर-निस्ट के निदेशक डॉ. पीजी राव अपने विचार प्रकट करते हुए। मंच पर मुख्य वैज्ञानिक तथा सीएसआईआर-निस्ट के आधिकारिक भाषा क्रियान्वयन कमेटी के उप चेयरमैन डॉ. जेसीएस कटकी भी बैठे हुए दिख रहे हैं।

आधिकारिक भाषा क्रियान्वयन कमेटी (ओएलआईसी), निस्ट

प्रावधानों के अनुसार ओएसआईसी की बैठकें 18/6/2012, 28/9/2012, 5/12/2012 और 15/3/2013 को हुई। संस्थान में राजभाषा के क्रियान्वयन को लेकर उचित निर्णयों को भी लिया गया।

शहरी आधिकारिक भाषा क्रियान्यवन कमेटी (टोलिक), जोरहाट

टोलिक जोरहाट के चेयरमैन निस्ट के निदेशक डॉ. पीजी राव हैं तथा निस्ट के राजभाषा प्रभारी श्री अजय कुमार इस कमेटी के सदस्य सचिव हैं। इन कमेटी का गठन भारत सरकार के गृह मामलों के मत्रालय के अंतर्गत आधिकारिक भाषा विभाग करता है। जोरहाट शहर के आस-पास स्थित सेना, अर्द्ध-सैनिक बल, राष्ट्रीयकृत बैंक, निगम, बोर्ड, परिषद इस कमेटी के सदस्य हैं। टोलिक का कार्य सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन की निगरानी रखना मार्गदर्शन करना तथा सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों की उपस्थिति में साल में कम से कम दो बैठकें आयोजित करना है।

टोलिक, जोरहाट की 24वीं बैठक

टोलिक, जोरहाट की 24वीं बैठक 10 मई, 2012 को डॉ. पीजी राव की अध्यक्षता में निस्ट में हुई। जोरहाट के विभिन्न केंद्र सरकार के कार्यालयों के चालीस सदस्य इस बैठक में उपस्थित थे। बैठक का संचालन टोलिक के सदस्य सचिव श्री अजय कुमार ने किया। सदस्यों ने बैठक में हिंदी की पखवाड़े की प्रगति रिपोर्ट, कार्यालयों में हिंदी कर्मचारियों की समस्याओं, प्रशिक्षण, द्विभाषी कंप्यूटर आदि पर चर्चा की। इस मौके पर वार्षिक पुरस्कारों का वितरण भी किया गया। दिशानिर्देशों के अनुसार जिन कार्यालयों में वर्ष 2011 के दौरान राजभाषा हिंदी को अच्छे तरीके से क्रियान्वित किया गया, उन कार्यालयों को चेयरमैन ने मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। भारतीय वायु सेना-जोरहाट, केंद्रीय मूंगा व एड़ी प्रशिक्षण व शोध संस्थान-जोरहाट, यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया के जोनल कार्यालय-जोरहाच, केंद्रीय विद्यालय-निस्ट जोरहाट, राष्ट्रीय भूमि सर्वेक्षण व्यूरो और भूमि इस्तेमाल योजना (आईसीएआर) जोरहाट के पुरस्कृत किया गया। ओएनजीसी-जोरहाट और एलआईसी-जोरहाट के हिंदी मैगजीन के प्रकाशन के लिए पुरस्कृत किया गया। राजभाषा हिंदी की प्रगति के प्रण व उम्मीद के साथ बैठक का समापन किया गया।

टोलिक, जोरहाट की 25वीं बैठक

टोलिक, जोरहाट की 25वीं बैठक 7 दिसंबर, 2012 को डॉ. पीजी राव की अध्यक्षता में निस्ट, जोरहाट में हुई। भारत सरकार के विज्ञान व तकनीक मंत्रालय के हिंदी सलाहकार कमेटी के सदस्य डॉ. डीडी ओझा इस बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर तथा जीओआई के आधिकारिक भाषा विभाग के सहायक निदेशक श्री अशोक कुमार सम्मानित अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। बैठक का संचालन टोलिक के सदस्य सचिव श्री अजय कुमार ने किया। सदस्यों ने बैठक में हिंदी की पखवाड़े की प्रगति रिपोर्ट, कार्यालयों में हिंदी को क्रियान्वित करने में आने वाली समस्याओं, हिंदी प्रशिक्षण, द्विभाषी नाम पट्टिका, कंप्यूटर आदि पर चर्चा की। सभी कार्यालयों ने अपनी प्रगति की रिपोर्टें पेश की। श्री ओझा ने सभी कार्यालयों को अपने दैनंदिन कार्य में राजभाषा के क्रियान्वयन के क्षेत्र में मंत्रालय के ध्येय के अनुसार हिंदी को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। श्री अशोक कुमार ने संक्षेप में कुछ दिशानिर्देश भी दिये तथा सभी कार्यालयों से इसका अनुपालन करने को कहा।

अवार्ड

व्यवसाय विकास व तकनीक विपणन के क्षेत्र में सीएसआईआर तकनीक अवार्ड, 2012

निदेशक डॉ. पी जी राव (बायें से दूसरे) के नेतृत्व में सीएसआईआर-निस्ट टीम के प्रमुख वैज्ञानिक श्री बीसी सैकिया (दायें से पहले) तथा प्रमुख तकनीकी अधिकारी श्री प्रोबिण बरूवा (बायें से प्रथम) सीएसआईआर के महानिदेशक प्रो. समीर के. ब्रह्मचारी की उपस्थिति में विज्ञान व तकनीक तथा भू-विज्ञान मंत्री श्री वायलर रवि से अवार्ड ग्रहण करते हुए।

पिछले तीन वर्षों में व्यवसाय को बढ़ाने के साथ ही तकनीकों के व्यवसायीकरण तथा जानकारी के विपणन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए सीएसआईआर-उत्तर पूर्व विज्ञान एवं तकनीक संस्थान को व्यवसाय विकास व तकनीक विपणन के क्षेत्र में सीएसआईआर तकनीक अवार्ड 2012 प्रदान किया गया है। विज्ञान का लाभ समाज के दूरदराज के लोगों तक पहुंचाने के लिए सीएसआईआर-निस्ट ने आसान तकनीकों, जो सूक्ष्म स्तर के उद्योगों के योग्य हो, को विकसित करने का बीड़ा उठाया। इसका मुख्य उद्देश्य विज्ञान को नयी ऊंचाई पर ले जाने के साथ ही अत्याधुनिक तकनीकों का विकास करके ग्रामीण व शहरी गरीब लोगों और उद्यमियों को लाभ पहुंचाना था। संस्थान के व्यवसाय विकास ग्रुप

ने तकनीकों व जानकारियों के सफल व्यवसायीकरण के लिए काफी प्रचार कार्य किया। सीएसआईआर के 70वें स्थापना दिवस के मौके पर नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में 26सितंबर, 2012 को आयोजित विशेष समारोह में माननीय विज्ञान व तकनीक तथा भू-विज्ञान मंत्री और सीएसआईआर के उपाध्यक्ष श्री वायलर रवि और सीएसआईआर के महानिदेशक प्रो. समीर के भट्टाचार्य ने सीएसआईआर-निस्ट के निदेशक डॉ. पी जी राव, पीसी श्री बी सी सैकिया और पीटीओ श्री प्रोबिण बरूवा (दोनों आई एंड बीडी शाखा के) को यह अवार्ड प्रदान किया। इस अवार्ड के तहत नकद 2 लाख रुपये, एक फलक व एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

राजीव गांधी एक्सेलेंस अवार्ड 2012

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य, सेवा और असाधारण प्रदर्शन के लिए कोयला इकाई के वैज्ञानिक डॉ. बिनय के. सैकिया ने प्रतिष्ठित राजीव गांधी एक्सेलेंस अवार्ड-2012 को प्राप्त किया। इस अवार्ड की शुरूआत राष्ट्रीय समाचार पत्रिका श्रीपुरी टाइम्स ने स्वर्गीय राजीव गांधी की स्मृति में की है। इस अवार्ड को भारत सरकार के माननीय कोयला मंत्री श्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने 10 जुलाई, 2012 को नयी दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब के स्पीकर क्लब में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया।

डा बी के सैकिया, माननीय कोयला मंत्री श्रीप्रकाश जायस्वाल द्वारा पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

वर्ष के पर्यावरणविद का पुरस्कार - 2012

राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी द्वारा प्रदान किये गये वर्ष 2012 के पर्यावरणविद का पुरस्कार डॉ. पूजा खरे ने 29 नवंबर 2012 को आयोजित समारोह में प्राप्त किया। उन्होंने 2006-2011 के दौरान सीएसआईआर-निस्ट में वैज्ञानिक के तौर पर कार्य किया था। अभी वह सीएसआईआर-सीआईएमएपी में वैज्ञानिक के तौर पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने पर्यावरण विज्ञान खासकर वायुमंडलीय आर्गेनिक प्रदूषक के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने उर्त्सजन के आंकड़े को तैयार किया है और पूर्वोत्तर के कोयले पर आधारित उद्योगों से उत्सर्जन को कम करने के लिए विभिन्न मॉडलों को विकसित किया है। उनके अध्ययन से क्षेत्र में प्रदूषकों को कम करने के क्षेत्र में कार्ययोजना को तैयार करने में काफी मदद मिली है। उन्होंने औद्योगिक स्थलों से निकलने वाले कार्बन का पता लगाने के लिए कम खर्चीले, सक्षम और उद्योग के अनुसार घटकों को तैयार किया है। अभी वह पर्यावरण हितैषी व कम खर्च वाले तरीकों से कार्बन के सीक्वेस्ट्रेशन के लिए पदार्थों का विकास करने और सुगंधित कृषि कचरे को गुणवत्ता संपन्न उत्पाद में रूपांतरित करने पर ध्यान केंद्रित किये हुई हैं।

डॉ. पूजा खरे पुरस्कार सर्टिफिकेट प्राप्त करती हुई।

पी सी गोस्वामी अवार्ड

असम विज्ञान सोसायटी, गुवाहाटी ने कोयला इकाई के वरि. प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. बी पी बरूवा को पी सी गोस्वामी अवार्ड प्रदान किया।

आईएनएसए युवा वैज्ञानिक अवार्ड

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ने जैविक विज्ञान के क्षेत्र में अच्छे शोध कार्य के लिए 29 दिसंबर 2012 को क्वीक हायर फैलो डॉ. सुमन दासगुप्त को आईएनएसए युवा वैज्ञानिक अवार्ड प्रदान किया।

दूसरा श्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति अवार्ड

गुजरात के इंस्टीट्यूट ऑफ सिसमोलॉजिकल रिसर्च में 1 व 2 फरवरी को भूकंप विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में कनिष्ठ वैज्ञानिक सुश्री संगीता शर्मा को उनके पेपर 'लो बी-वैल्यू प्रायर टू द इंडो-म्यांमार सबडक्शन जोन अर्थक्वेक्स एंड प्रीकर्सरी स्वार्म स्टडीज फॉर 6मई, 1995 एम 6.3 अर्थक्वेक' के लिए दूसरा श्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति अवार्ड प्रदान किया गया है।

श्रेष्ठ पोस्टर अवार्ड

उत्तराखंड विश्वविद्यालय, गढ़वाल, उत्तराखंड में 10 से 14 जून तक आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय जैव-खतरा शोध संगोष्ठी (आईजीआरएस-2012 में राजीव विश्वास और सौरभ बरूवा के उनके मुद्दे 'द इफेक्ट्स आफ एडेनुएशन एंड साइट आन द स्पेक्ट्रा आफ माइक्रोअर्थक्वेक्स इन द शिलांग रीजन आफ नार्थ ईस्ट इंडिया' पर श्रेष्ठ पोस्टर अवार्ड प्रदान किया गया।

मौशुमी हजारिका 14 मार्च, 2013 को महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम में निर्माण सामग्री के लिए आधुनिक नैनोकंपोजिट (आईसीएनसी-2013) पर आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कार प्रदान किया गया।

गणतंत्र दिवस परेड 2013 की झांकी में पहला पुरस्कार

सीएसआईआर-निस्ट की झांकी।

सीएसआईआर-निस्ट की झांकी को जोरहाट जिला प्रशासन के तत्वावधान में 26जनवरी, 2013 को जोरहाट कोर्ट फील्ड में आयोजित 64वें गणतंत्र दिवस समारोह में पहला पुरस्कार मिला। इस झांकी में क्षेत्र के विकास के साथ ही देश के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शुरूआत से लेकर अब तक की संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शाया गया था।

राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन के क्षेत्र में पहला पुरस्कार

सीएसआईआर-निस्ट, जोरहाटी ने देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थिल केंद्र सरकार के कार्यालयों में वर्ष 2011-12 के दौरान राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन के क्षेत्र में पहला पुरस्कार प्राप्त किया। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीनस्थ आधिकारिक भाषा विभाग ने क्षेत्रीय क्रियान्वयन कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा दर्ज किये गये प्रदर्शन रिकार्ड के आधार पर इस कार्यालय को चुना है। सीएसआईआर-निस्ट ने इस क्षेत्र में क्रियान्वयन के सर्वोच्च लक्ष्य को प्राप्त किया है। इस अवार्ड को भारतीय संग्रहालय के कोलकाता स्थित आशुतोष मुखर्जी जन्म शताब्दी हाल में 18अप्रैल, 2013 को आयोजित 'पूर्व और पूर्वी क्षेत्र राजभाषा सम्मेलन' में प्रदान किया गया। सीएसआईआर-निस्ट की ओर से राजभाषा प्रभारी श्री अजय कुमार ने भारत सरकार के सचिव श्री अरूण कुमार जैन से शील्ड प्राप्त किया। राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री कुमार को भी एक प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

प्रभारी निदेशक डॉ. आर सी बरूवा (बायें) और राजभाषा प्रभारी श्री अजय कुमार पुरस्कार के साथ

पुष्प शो सह रसोई प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन

सीएसआईआर-निस्ट की पुष्प-कृषि शाखा ने लायनेस क्लब ऑफ जोरहाट द्वारा 10 फरवरी, 2013 को लायंस मल्टीपल प्रोजेक्ट सेंटर, जोरहाट में आयोजित पुष्प शो सह रसोई प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और इस शो में संस्थान के प्रदर्शन को श्रेष्ठ घोषित किया गया। सीएसआईआर-निस्ट ने विभिन्न वर्ग में निम्नलिखित अवार्ड प्राप्त किये।

1.	बर्तन पौधा	फर्न एंड फोलिएज	पहला व तीसरा पुरस्कार
2.	बर्तन पौधा	गेंदा	दूसरा पुरस्कार
3.	कट फ्लावर	डहलिया	दूसरा व सांत्वना पुरस्कार

फेलो व फैलोशिप

जैव तकनीक और फार्मेसी संस्था द्वारा फैलोशिप

जैव तकनीक और फार्मेसी के क्षेत्र में उल्लेखनीय और समर्पित सेवा के लिए जैवतकनीक और फार्मेसी संस्था (एबीएपी) ने सीएसआईआर-निस्ट के निदेशक डॉ. पीजी राव को यह प्रतिष्ठित फैलोशिप प्रदान किया। इस फैलोशिप को 20 से 22 दिसंबर 2012 के दौरान आयोजित जैवतकनीक और फार्मेसी संस्था (एबीएपी) के छठे वार्षिक सम्मेलन और 'मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरण का प्रभाव और थेरापेटिक चुनौतियों' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 20 दिसंबर 2012 को श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के जूलाजी विभाग के प्रोफेसर वी राजेंद्र ने प्रदान किया।

रॉयल इंटोमोलोजिकल सोसायटी, लंदन यूके (एफआरईएस) की फैलोशिप

कीड़ा (रेशम का कीड़ा) जैवरसायन व सूक्ष्म इंडोक्रीनोलोजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवदान के लिए मुख्य वैज्ञानिक डॉ. बीजी उन्नी को रायल इंटोमोलोजिकल सोसायटी (एफआरईएस) लंदन के फैलोशिप के लिए चुना गया है। पिछले तीन दशक से ज्यादा समय में कीड़ा के क्षेत्र में डॉ. उन्नी का अवदान मुख्यत: इनविट्रो तकनीक के जरिए कीड़ों के अलग करना तथा उनके न्यूरोपेप्टीड्स के गुणों का पता लगाना, जुवेनाइल हार्मोन बायोसिंथेसिस के क्षेत्र में इसके सूक्ष्म व कार्यक्षम गुणों का पता लगाना, रेशम के कीड़ों का सिल्क प्रोटीन बायोसिंथेसिस और रासायनिक रूप से संश्लेषित कीड़ों का न्यूरोपेप्टीड्स इन विट्रो-इन विवो एसो है। रेशम के कीड़ों के जैवरसायन और सूक्ष्म जीवविज्ञान के क्षेत्र में शोध के नतीजों का रेशमपालकों पर अच्छा प्रभाव पड़ा है, खासकर रेशम के कीड़ों की वृद्धि और गुणवत्ता व मात्रा के मामले में रेशम के रेशे के उत्पादन के क्षेत्र में।

इथनोबोटानिस्ट सोसायटी का फैलो

सोसायटी आफ इथनोबोटानिस्ट्स, मार्फत सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ ने डॉ. एचबी सिंह को सोसायटी आफ इथनोबोटानिस्ट (एफएसई) का फैलो प्रदान किया है।

इस्टीट्यूशन आफ केमिस्ट (भारत) का फैलो

कोयला इकाई के वैज्ञानिक डॉ. बिनय के सैकिया को 'इस्टीट्यूशन आफ केमिस्ट (भारत) का फैलो' प्रदान किया गया था।

परियोजना

अधीनस्थ परियोजनाएं

क्र.सं.	विषय	पूंजी प्रदत्त एजेंसी	ठेके मूल्य (लाख में)
1.	डा. जतिन कलिता पूर्वोत्तर राज्यों में कोयर बोर्ड के अंतर्गत छह टेक्नोलाजियों के टेक्नोनामिकल अध्ययन	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इंटरप्राइसेस मंत्रालय	22.810
2.	डा. बी.पी. बरुवा पूर्वोत्तर भारत कोयला के वर्गीकरण	कोल इंडिया लि. (नार्थ इस्ट कोल फील्ड्स) मेघालय	2.751
3.	डा. पी बरकाकति एयरफोर्स स्टेशन, जोरहाट के लिए रनवे में मिट्टी की 34 वर्ग प्रतिक्रिया की सांख्यिक पहचान	वायु सेन	1.127
4.	डा. डी.सी. बोरा स्टाफिलोकोजी के माइक्रोबायल पाथोजेन डाइबार्सिटी के स्क्रेनिंग एवं मोलोकलर विशेषीकरण तथा क्रमश: पहचान हेतु डाइग्नोस्टिक टेस्ट का विकास	विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय	54.700
5.	डॉ. बी.पी. बरुवा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में भूमिगत कोयला गैसीकरण तकनीकी का बढ़ावा हेतु फियसिबिलिटी एसेसमेट मॉडल का विकास	जनसंपर्क एवं सूचना मंत्रालय	111.320

6. डॉ. (श्रीमती) दिपान्विता बनिक, टेक्सोनॉमी एंड एथनोबॉटनी सहित पूर्वोत्तर भारत में पारिवारिक माडरिस्टिका आर.बीआर की जैवरसायन विशेषता की खोज	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	16.160
7. डा. एम.जे. बरदलै मल्टी ड्रग्स प्रतिरोध एसकेरियाथिया कोलि की रोकथाम में औषधीय पौधे में उपलब्ध बायोएक्टिव गुणों की खोज	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	12.720
8. डा. एम.जे. बरदलै बायोएक्टिव मोलेकुल्स की खोज में विएतनाम जल से समुद्री तारा (एस्टेर्मिनिडा परिवार) की प्रजाति के रसायनिक अनुसंधान	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	3.360
9. डा. रातुल सैकिया असम एवं मिजोरम के संरक्षित वनांचलों से एंडोफिटिक एक्टिनोमिसेटस के डीएन फिंगरप्रिंटिंग	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	37.150
10. डा. आर.सी. बोरा पूर्वोत्तर भारत के उच्च साल्फर समृद्ध कोयले के लिए एक एटमोस्फेरिक फ्लूडिजिड बेड कंब्यूशन प्रक्रिया के विकास एवं जिरो ग्रीन हाउस गैस प्रदूषण।	पर्यावरण व वन मंत्रालय	39.700
11. डा. लक्षी सैकिया हैरर्चियल पोरोअस मिट्टी यथा केटलास्टस एवं केटलाइटिक समर्थन	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	25.500
12. डा. (श्रीमती) एम. बरठाकुर जैव सब्जी बागवानी के साथ मासरूम के उत्पादन के जरिए पश्चिम जोरहाट (अ.जा बहुल) के ग्रामीण इलाकों की महिलाओं के द्वारा स्व-सशक्तिकरण	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	12.00
13. डा. मानस आर. दास ग्राफेम अक्सिड पर मेटले ननोपेट्रिकल्स के सिंथेसिर के लिए सल्यूशन कैमिस्ट्री एप्रोच	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	24.500
14. श्रीमती प्रमिला मजुमदार साइंस कम्यूनिकेशंस पर इटेनसिव ट्रेनिंग वर्कशॉप	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	2.800
15. डा. टीसी बोरा सरसों के बीज के डेटोक्सिफिकेशन के आधारित उत्पादन के जरिए पूर्वोत्तर की परंपरागत व्यवस्था के आधार पर फेमेन्टेशन प्रक्रिया तथा उनके मूल्य	विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय	23.130
16. डा. एस.पी. सैकिया सागौन का वृक्ष के बीज रखने में सूखा प्रतिरोध सक्षमता तथा वन प्रबंधन के लिए जेनोटाइप के विकास का चयन।	विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय	35.940
17. डा. सौरभ बरुवा पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित भूकंप प्रभावित अध्ययन की साहित्यिक समीक्षा	असम राज्य आपदा प्राधिकरण	17.800

18. श्री चंदन तामुली राज्य के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए अरुणाचल प्रदेश के अनुसूचित जनजाति लोगों द्वारा खाने वाले जंगली भोज्य पौधे के अनुसंधान एवं व्यवहार	विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय	15.222
19. डा. सौरभ बरुवा पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख नगरों के भूकंपी प्रभाव की समीक्षा	पूर्वोत्तर परिषद	184.250
20. डा. (श्रीमती) स्वप्नाली हजारिका कॉर्बन पृथकीकरण एवं हरा स्राव नियंत्रण के लिए मोलेकुलर गेट मेंब्रेन का विकास	विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय	33.318
21. डा. एस.बी. वान थाइलैंड एवं भारत की क्लेरोडेंड्राम प्रजाति की मोलेकुलर विशेषताएं एवं तुलनात्मक एंटीमाईक्रोबियल गतिविधि	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	8.850

चालू परियोजनाएं

क्र.सं.	विषय	पूंजी प्रदत्त एजेंसी	ठेके मूल्य (लाख में)
1.	डा. मंटू भूयां नूमलीगढ़ रिफाइनरी लि. एवआरएल तितलीघाटी में तितली गणना अध्ययन		28.553
2.	डा. बीपी बरुवा कोयला एवं कोयला की बेकार चीज से सोइल कंडिशनर के निर्माण के लिए व्यवहारिक अध्ययन	भूतत्व एवं खनन निदेशालय, नगालैंड, सरकार	2.500
3.	श्री दिपांकर नेउग करंग, जोरहाट असम में चाकू-निर्माण कारीगरी पर विस्तृत प्रकल्प प्रतिवेदन (डीपीआर) सीएफसी की प्रस्तुति	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय	1.090
4.	डा. जतिन कलिता पूर्वोत्तर राज्यों में कोयर बोर्ड के अंतर्गत छह-तकनीकी प्रतिष्ठानों के तकनीकी-आर्थिक अध्ययन तथा दो संगोष्ठियों का आयोजन	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय	22.810
5.	डा. बीपी बरुवा पूर्वोत्तर के कोयला का वर्गीकरण	कोल इंडिया लि. (एनई कोल फील्ड्स) मार्घेरिटा	2.75
6.	डा. पी. बरकाकति एयरफोर्स स्टेशन, जोरहाट में भूमि उप वर्ग विक्रिया के माप की पहचान	वायु सेना	1.127
7.	डा. आ दुअरा पूर्वोत्तर परिषद, शिलांग पूर्वोत्तर भारत में आपदा-शमन के लिए-ऑन लाइन/प्रकृति समय भूकंप नेटवर्क		426.000

8.	डा. रातुल सैकिया कृषि एवं सह क्षेत्र (एएमएएएस) में माइक्रोऑर्गेनिजमंस की सूक्ष्मजीव विविधता एवं पहचान पद्धति	नेशनल ब्यूरो ऑफ एग्रीकल्चरेली इंपोर्टेंट माइक्रोऑर्गेनिज्म (एनबीएआईएस) आईएआरआई	50.779
9.	डा. आरएल बेजबरुवा बीटीआईएस नेट की एक योजना बॉयोइंफोर्मेटिक्स (बीटीबीआई) के जरिए जीव विज्ञान का शिक्षण के बढ़ावा हेतु बॉयोइंफोर्मेटिक्स ढांचा की रचना	डीबीटी, बॉयोइंफोर्मेटिक्स डिवीजन	35.890
10.	श्री दीपांकर नेउग तेजपुर असम के बिना-चमड़ा जूता-चप्पल बनाने का प्रशिक्षण तथा बनाने की प्रतिष्ठान का निर्माण	एचआरडी मंत्रालय	70.000
11.	डा. एल नाथ निस्ट, जोरहाट को एनईआर एफआईएसटी पैकेज के ग्रेज्युएट कॉलेज एफिलेटेड के अधीन सामग्री, कंप्यूटर लेब एवं लेब-का नवीनीकरण हेतु आर्थिक सहायता	डीएसटी नई दिल्ली	2930.00
12.	श्री दिपांकर नेउग टेक्नोप्रोनियर प्रोमोशन प्रोग्राम (टीईपीपी) आउटरिच सेंटर (टीयूसी) (टीयूसी)	विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय	20.000
13.	डा. (श्रीमती) स्वप्नाली हजारिका पतला समाधान से विलायक वसुली के लिए नैनोसंरचित झिल्ली का विकास	विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय	21.052
14.	डा. पी आर भट्टटाचार्य स्थान विशिष्ट अदरक और हल्दी किस्मों, गुणवत्ता रोपण सामग्री के उत्पादन कीट कीट और रोग प्रबंधन, रासायनिक रुपरेखा और मूल्यो के विकास की पहचान उत्पाद जोड़ा	डी बीटी, नई डिल्ली	16.740
15.	डा. (श्रीमती) अर्चना मनि दास कुछ वासटिल स्टेरोआइडल आणविक का संयोजन : नियन सदस्यीय डी-रिंग स्टेरोआइडस एवं केमेरिक 7 ए-सबस्टिट्यूटेड डिरिपेटिक्स सहित हाइब्रिड आणविक का संयोजन	विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय	12.150
16.	डा. एचबी सिंह पूर्वोत्तर के स्कूलों (मणिपुर में 57 स्कूलों के लिए) का डीएनए क्लब्स-डीबीटी-टीईआरआई मेनटोरिंग	डीबीटी, नई दिल्ली	213.840
17.	डा. दीपक प्रजापति इंटर एवं इंटरमोलेकुलर पर आधारित जैविक पहचान का नवेल पिरिमिडिन डिरिवाटिक्स के संयोजन	विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय	15.295